

DPN 6525

Title: [~~चाणक्यनीतिसारसङ्ग्रह~~] [CĀṆAKYANĪTISĀRASANĠGRAHA]

Together with Nepālabhāṣā translation

Run. No. 7250

Cat. No.

Micro. No.

Subject *Niṭiśāstra*

Religion: Hindu / Bauddha

Language: Skt. / New. / Nep. / Skt.- New. / Maith.- New. / New.- Nep. /

Size in cms. 19.5 X 7.8

Folios 6

Lines (in a page) 8

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator चाणक्य Cāṇakya

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script: New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material: palmleaf / paper / thyasaphu /

Condition: fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon: वृजैर्द्वन्वार्थे चाणैज्यं विद्यार्थि-र बहुश्रुतं ।

ऋतुकालमप्रत्यार्थे मानार्थे नृपतिं वृजेत् ॥ २६ ॥ चन्वार्थेन वनज
व्यापाद यायु विद्यार्थिनि अनेग शास्त्रे डेनीव पुन अर्थिनि ऋतुकालस
गमण यायु मान्य अर्थिनि राजसेवा जेयु ॥

विनिमुनिमुनिमद साधुसकृतिनमद गुंयति होयन्यमद ॥ यत्र का
येयूकामा स्वकायेयुपेमाधय ॥ मद्रकार्ययुनिवृत्ति योजकार्ययुविकाम
॥ २० ॥ मद्रयाकार्येण उगुनियकृत्त थवकार्यम दलतानेसाधयय
मिजकार्यम निष्ठयथाक वाजकार्यमवतनयाय ॥ उत्तमयवनीया
ना यत्कृतिनेदम्यन ॥ अयलवधिमाधुना निवालेयवनिवृत्ति ॥ २१ ॥
नीचयाकार्य लखिना वायाथ याकुनाययमद साधुनयाकाका ॥ मित्र
यथमद्रव स्वकीयवायाथ यानीव ॥ ॥ मद्रगामायदयमक्ति मद्रत
मद्रमयय ॥ एतयमनूयय नायाधानेवमनाय ॥ २२ ॥ तत्रयाप्रोयदा

यत्तु संयदयत्तु विद्यामनूययाव आयदासद् संयदसद् ॥ ॥ लमुमुयति
 जूकल वरुमयलवल्मा विदुमयलमागल मनेयताकलमयूट ॥ २३ ॥
 मदाययवमनुययाय जूकयागनवल्मामलुययाय वरुमयल
 विदुमयाययाय ममलयाव तवयनूययासताययाय दायजवल्माय
 ॥ २४ ॥ रलेयकयायकयेव यवान्यमासुयिकका मयगनिनावृश
 वियावकययनित्त ॥ २५ ॥ यावर्क यवयूर्क मामुसवयनि धमम
 र्क यमनियार्क मुखकियावमयाव कियावकशकयनित्तशना ॥ ॥
 दायित्तमयवानिर्ष वाजलवागयावर्ग धीवायत्तायिकवर्क कातवायि

चिदादक॥ २३ ॥ वाद गववनिजात गववनजात वाजगवा
 गवावन धूतिगंधीतयानीयनिर्गयाय कातलयनिर्गइव द्वाष्टा
 मायू॥ ॥ वडादनाथिवालिष्ट विद्याथिचवद्वरुत जाड कातमय नाथि
 मानाथिन्यमिवज॥ २४ ॥ घनाथिन वनजवायादयाय विद्याथीन
 जूनगमाकुरयोनीव यशमथिनमरुकातम गमणयाय मान्यमूथीन
 वाजमवाजाय ॥ ॥ मुखयधन्दूवाकाल वाचाचन्दनणीगल दयय
 कटसंयुक्त विविधधूलतकण॥ २५ ॥ मूथयममयमिथिकामव
 वाकवचन शीखथीणीगल लूवणकलिथध्वस्वनीधूलयातकण॥

इज्जनयिष्यवादीव नेवदिस्वासवान् ॥ नधुवमतिजिह्वारे ददियानायरीह ॥
 ॥ २८ ॥ इज्जनयिष्य यवानरुक्तावा विस्वासमयाय ॥ कस्मिन्वानदावधे
 लुग्वउमशक दवायवधायकवधेधानीव ॥ ॥ खलसख्यमागलि
 यवेद्विडनियथिति ॥ ज्जामनविस्वमागलि ॥ यत्थकयिनयथिति ॥ २९ ॥
 इज्जननमवयाद्विड ॥ उका यायधदं खद धवज्जवकाव द्यावयायधद खखीमे
 खनीव ॥ ॥ दलनीयायथमुखो धनवक्तव्यनिगुता ॥ दलकयिद्वद्वयक ॥
 किण्ठकावुवयथिता ॥ ३० ॥ यत्तवतमुखवदं दलनयाय धनियलितिमु
 विथकं निगु दलसवानमनामायिव वादीमिवावावाववावधे ॥

मुखोधिपविदकय ॥ यथा कादियययय ॥ निधनवायगल्यन ज्जुह्वकवुवायथ ॥
 ॥ ३१ ॥ मुखजानिज्जवक्खी नावगमात्त ॥ यथकयस नधुलुगिबस ववनदाका
 वृत्तन मय वीधयायुतमत्तवधे यथाजय ॥ ॥ सय्यकुलखलकुव मय्या
 कुलकनखन ॥ मकायधिवमसय सवकनायमान्यत ॥ ३२ ॥ मय्यजिक्
 इज्जनजिक् मय्ययाकनान इज्जनजानि कुताडियसामयायमजीव ॥
 ददियद्वसदमुल नगदवेलवाजिना ॥ गीनेनीदगदव दगव्यागनद ॥
 ॥ ३३ ॥ किनिवायात्तद्विक्कायवक् ॥ १०० ॥ गगदवने मयवासागद्विक्कायवक्
 १०० ॥ दधववजिक् ॥ १०० ॥ यावकमान इज्जनज्जवकाव दग याजयाजयाकनउववावद

[illegible]

